





#### CENTRAL UNIVERSITY OF RAJASTHAN DEPARTMENT OF ECONOMICS International Conference of Economics On "Growth, Resilience and Sustainability in an Uncertain World"

#### In association with Indian Council of Social Science Research



April 11 and 12, 2023



# **Inaugural Session**





वश्वविद्यालय Y of Rajasthan Economics In with Social Science CSSR)

an

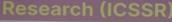
ce



राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय Central University of Rajasthan Department of Economics in association with Indian Council of Social Science Research (ICSSR)

TWO DAY CONFERENCE ON GROWTH, RESILIENCE AND SUSTAINABILITY IN AN UNCERTAIN WORLD BY DR. NICOLE BISSESSAP ECONOMICAL PROFESSION OF MALCOM

and a base



-

ma Z

TWO DAY CONFERENCE ON ROWTH, RESILIENCE AND SUSTAINABILIT IN AN UNCERTAIN WORLD BY DR. COLLO ISSESSAF ECONOM TSAPP +1 (61)



# **Conference Abstract Book Release**



## Felicitation of the Guests by Hon'ble Vice-Chancellor, Prof. Anand Bhalerao Ji





# **Felicitation of the Guests**



### Address by Chief Guest Prof. N.R. Bhanumurthy and Guest of Honor Prof. Nicole Bissessar

# WPI captures prices at the

# Chief Speaker Session: Prof. Mukul G Asher, Session Chair by Prof. Manju Singh



#### Chief Speaker Session: Prof. Charles Yuji Horioka, Session Chair by Prof. Alpana Kateja



## Technical Session: Session Chair by Dr. Sanja Samirana Pattnayak, IIM Sirmaur



#### Keynote Session By Prof. Amaresh Samantaraya, Session Chair by Prof. Uma Shankar Mishra



# Keynote Session: Prof. Tapas Mishra, Session Chair by Prof. Jitendra Kumar



# Technical Session Chaired by Dr. Sanjay Kumar Garg



#### Technical Session Chaired by Dr. Ghanshyam Pandey, SRM University, Andhra Pradesh



#### Technical Sessions in Hybrid Mode Chaired by Dr. Aprarajita Biswal, Odisha



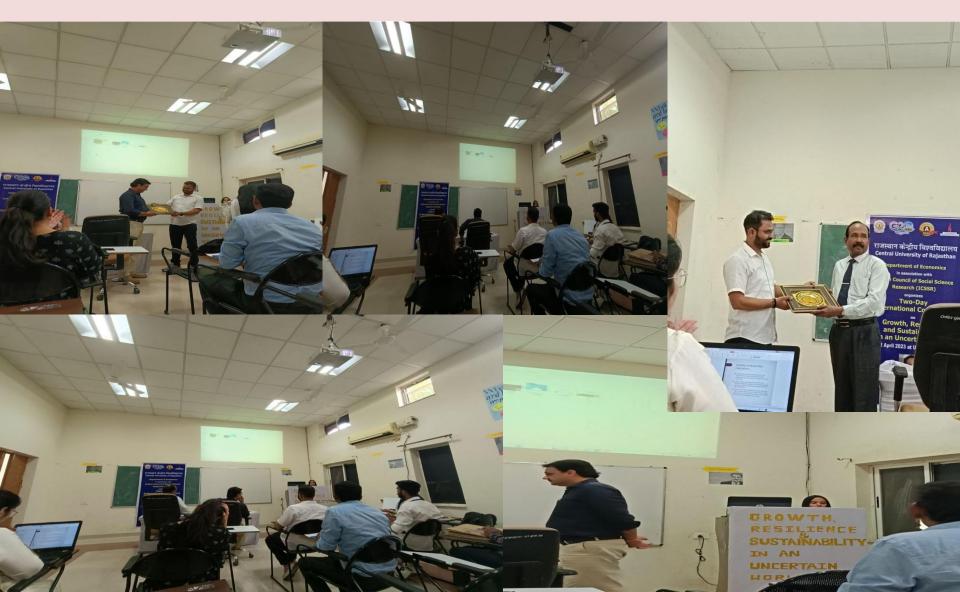
## Technical Session Chaired by Dr. Ranjan Aneja, Central University of Haryana



## Technical Session Chaired by Dr. Subhasis Bhadra and Dr. Pramod Kamble



## Technical Session Chaired by Dr. S. Kandasamy and Dr. Kumar Sambhav Pareek



# **Technical Session in Hybrid Mode**



#### 2000

- 200 present sening analyzes the effect of Banachi globalization, institutional quality, prevention, and economic provids on Banachi globalization, include operators, and the date of the population of 12 Julia economic direction of the population of 12 Julia economic direction during the period 2000-2019.
- a we may employed the most which word panel unit rout tests namely LLC and I
- much the parent and read tools suggest that variables such as FEL (SQL NFL and FNR-LET are integrated of order new while a variables including ICVCDP. TRANSP. (FIVCAI IP, and AP) are integrated of orders one. The results of the parent AUDI, engineering councils that institutional quality, per capits income, financial globalization, institute
- effects an financial development. > Therefore, the empirical results suggest that the main drivers of financial development are institutional quality, per explications financial globalization, institutional prevanance, tradic opmense, propulstica, and infinition in Alan constricts.
- 2 The results of the panel consulty rest events that financial development and measuring provide have a Millerential execution when institutional queries and financial globalizations have a mathematical execution effort we financial development. Government and Research development have a distinctional consulty:

#### Out-of-the-pocket expenditure (OOPE)

- The Indian health sector is characterized by low government expenditure on health, high Out-of-the-pocket (OOPE) expenditure and poor financial protection against any adverse condition of health.
- any adverse condution of health. According to NSS 75th Round survey on Social Consumption on Health (2017-18), almost 60% of hospitalization and 70% of ourpatient services are delivered by private sector health centres. A high propensity to use the private healthcene we ensumed other dinancial support, the OOPE rises and healthcare utilization falls. The OOPE is infusia accounts for 62.6% of total health expenditure (THE) which is the highest in the world. According to National Health Account estimates (2015-64), the OOPE is highest in Blast at 52% of GSDP and 79.6% of THE followed by Punjab (77.4% of THE) and Utar Pracels (76.5% of THE). Rajastian has OOPE of 44% of GSDP, better than most of the states.



-



# Technical Session Chaired by Prof. Amitabh Srivastava

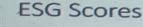


# **Valedictory Session**



# Valedictory Address by Prof. Dharmendra Singh, Muscat, Oman







An ESG score is an objective measurement or evaluation of a given company, or fund's performance with respect to Environmental, Social, and Governance (ESG) issues.

ESG scoring systems tend to be either industry-specific or industry-agnostic.

Industry-specific scoring systems assess issues that have been deemed material to the industry at large.

Industry-agnostic ESG scores tend to incorporate widely accepted factors that are meaningful across industries – like climate change, diversity, equity and inclusion (DEI), and human rights.

Companies are being required (by stock markets and government bodies) to provide ESG disclosure with their quarterly and annual reporting.

To report clear and relevant metrics in a standardized format, a reporting framework is required.

Some common frameworks are the Global Reporting Initiative (GRI), the Principles for Responsible Investment (PRI), and the Sustainability Accounting Standards Board (SASB).



# **Feedback Sharing by Participants**



# All Delegates, Participants and Student Volunteers

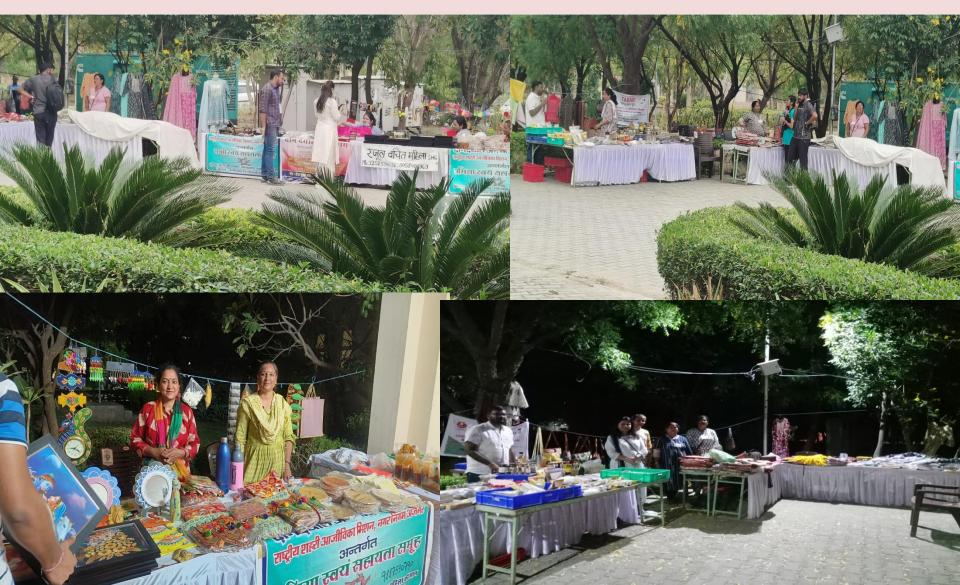




## Participation of SHGs in International Conference: Hon'ble Chief Guest Visiting the Stalls

वीचेत महिला

# Participation of SHGs in International Conference



# Media Coverage



#### केंद्रीय विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आज से

#### सौ से अधिक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतिभागी करेंगे विचार मंथन

मदनगंज-कि शानगढ @ पत्रिका बांदरसिंदरी स्थित राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में ग्रोथ. रेजिलिएंस US सस्टेनेबिलिटी इन एन अनसर्टेन वर्ल्ड विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्टीय सम्मेलन मंगलवार से शुरू होगा। उदघाटन समारोह विश्वविद्यालय सभागार में प्रातः 11.30 से आयोजित किया जाएगा।

प्रो. एन.आर. भानूमूर्ति कुलपति बी.आर. अम्बेडकर स्कूल ऑफ डकोनॉमिक्स बेंगलरु uai मैक्रोडकॉनॉमिक्स. और व्यापार आजीविका पर जी-20/टी 20 टास्क फोर्स के अध्यक्ष इस सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। प्रो. मुकुल जी. अंशर नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर, सलाहकार गजरात सरकार. डबल्यूटीओ, डबल्यूएचओ, आई एम एफ और प्रो. चार्ल्स यजी होरीओका. कोबे विश्वविद्यालय जापान. फेल्डस्टीन होरीओका पजल के



पायनियर इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होंगे। प्रो. तपस मिश्रा, साउथेम्प्टन बिजनेस स्कूल यूनाइटेड किंगडम एवं प्रो. अमरेश सामंतराय, पांडिचेरी विश्वविद्यालय से इस संगोष्ठी के कीनोट स्पीकर होंगे।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आनंद भालेराव के नेतृत्व में यह सम्मेलन हो रहा है। प्रोफेसर धर्मेंद्र सिंह, मॉडर्न कॉलेज ऑफ बिजनेस एंड साइंस, मस्कट ओमान इस संगोष्ठी के समापन समारोह के मुख्य अतिथि और पो.अमरेश सामंतराय विशिष्ट अतिथि होंगे। सम्मलेन के अध्यक्ष पो. जगदीश उल्लास जाधव और सम्मलेन की संयोजक व अर्थशास्त्र विभाग से डॉ. हेमलता मंगलानी ने कि 100 से अधिक बताया अंतरराष्टीय और राष्टीय पतिभागियों ने इस सम्मेलन के लिए अपनी प्रतिभागिता दर्ज कराई है।

#### Date: 11/04/2023, Edition: Kishangarh, Page: 14 Source : https://epaper.patrika.com/

#### 'ग्रोथ, रेजिलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी इन एन अनसर्टेन वर्ल्ड' पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ११ से १२ अप्रैल को

📕 सत्ता एक्सप्रेस

किशनगढ / लक्ष्मण दीया राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय बांदरसिंदरी के अर्थशास्त्र विभाग और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में ग्रोथ, रेजिलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी इन एन अनसर्टेन वर्लुड पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 11-12 अप्रैल 2023 को आयोजित किया जा रहा है। प्रो. एन.आर. भानुमूर्ति, कुलपति बी.आर. ऑफ अम्बेडकर स्कल इकोनॉमिक्स, बेंगलरु तथा मैक्रोइकॉनॉमिक्स, व्यापार और आजीविका पर जी-20/टी20 टास्क फोर्स के अध्यक्ष इस सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। प्रो. मुकुल जी. अशर, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर, सलाहकार गुजरात सरकार, डबल्य टी ओ. डबल्यू ऐछओ, आई एम एफ और प्रोफेसर चार्ल्स युजी होरीओका, कोबे विश्वविद्यालय, जापान, फेल्डस्टीन होरीओका पजल के पायनियर इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भाग लेंगे। प्रोफेसर तपस मिश्रा, साउथेम्प्टन बिजनेस स्कल युनाइटेड किंगडम तथा प्रो अमरेश सामंतराय, पांडिचेरी विश्वविद्यालय से इस संगोष्ठी के कीनोट स्पीकर होंगे। राजस्थान केंदीय विश्वविद्यालय बांदरसिंदरी





के कुलपति प्रो आनंद भालेराव ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करते हुए हमें खुशी हो रही है। आज के तेजी से बदलते और अप्रत्याशित वैश्विक परिदृश्य में, यह महत्वपूर्ण है कि हम उन नवीन समाधानों पर चर्चा करने और उनका पता लगाने के लिए एक साथ आएं जो अप्रत्याशित चुनौतियों के लिए लचीलेपन का निर्माण करते हए सतत और समावेशी विकास को बढावा देते हैं। सम्मेलन शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं, नेताओं और व्यापारिक व्यवसाइयों को अपने ज्ञान. विचारों और अनुभवों को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

प्रो. धर्मेंद्र सिंह, मॉडर्न कॉलेज ऑफ बिजनेस एंड साइंस, मस्कट, ओमान इस संगोष्ठी के समापन समारोह के मुख्य अतिथि और प्रोफ अमरेश सामंतराय विशिष्ट अतिथि होंगे। अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन के अध्यक्ष प्रो जगदीश उल्लास जाधव और सम्मलेन की संयोजक व अर्थशास्त्र विभाग से डॉ हेमलता मंगलानी ने बताया कि 100 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतिभागियों ने इस सम्मेलन के लिए अपनी प्रतिभागिता दर्ज की है। अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन का उद्घाटन समारोह 11 अप्रैल 2023 को विश्वविद्यालय सभागार में प्रातः 11:30 से आयोजित किया जायेगा।

# Media Coverage

3

जयपर, गुरुवार, 13 अप्रेल, 2023

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में विकास, लचीलापन और एक अनिश्चित दुनिया में स्थिरता विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

#### ( राजस्थान स्टेटमेन्ट )

जयपर। अन्य उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के विपरीत, जो मुद्रास्फीति की स्थिति को स्थिर कर रही हैं, भारतीय अर्थव्यवस्था वसली के रास्ते पर है। एफवाई24 तक, जीडीपी विकास दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मुद्रास्फीति पुरे वर्ष के लिए 6 प्रतिशत से नीचे रहने का अनमान है। भारत को बेहतर विकास-मदास्फीति संतलन और स्थिर वित्तीय क्षेत्र के साथ परेशान वैश्विक अर्थव्यवस्था में उज्ज्वल स्थान के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है, यह बात प्रो एनआर भानुमूर्ति, कुलपति, बी.आर. अम्बेडकर स्कल ऑफ इकोनॉमिक्स, बेंगलरु और जी-20/टी20 टास्क फोर्स के अध्यक्ष ने दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मख्य अतिथि के रूप में सभा को संबोधित करते हए कही। प्रो भानमर्ति ने अस्थिर वैश्विक परिस्थितियों में भारतीय अर्थव्यवस्था को नेविगेट करने पर विस्तार से बात की। आई एम एफ ने एक अनिश्चित दुनिया में अनसंधान परिषद के संयक्त तत्वावधान में 11- फेल्डस्टीन-होरिओका पहेली 43 साल बाद पर कमार, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने की। स्वाति जाधव , स्तंभकार, एवं मानसि 12 अप्रैल 2023 को आयोजन किया गया। मख्य वक्ता के रूप में अपना व्याख्यान दिया। समापन सत्र की अध्यक्षता प्रो. धर्मेंद्र सिंह. उद्धाटन सत्र की सम्मानित अतिथि प्रोफेसर उन्होंने जोर देकर कहा कि भले ही वैश्विक मॉडर्न कॉलेज ऑफ बिजनेस एंड साइंस, अम्बेडकर, डॉ. सभासिस भट्र, डॉ. प्रम निकोल बिसेसर, सदनं न्य हैम्पशायर वित्तीय बाजार एकीकत प्रतीत होते हैं. बचत मस्कट, ओमान ने मख्य अतिथि के रूप में कांबले, डॉ. कमार संभव पारीक, डॉ. र यनिवर्सिटी, यएसए ने विकास, लचीलापन और निवेश के स्तर सभी देशों के बीच की। प्रो धर्मेंद्र सिंह ने सतत वित्त और इसके कंदासामी, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय और स्थिरता के संदर्भ में भारत की वर्तमान सहसंबद्ध हैं क्योंकि वित्तीय बाजार स्वयं रुझान और प्रगति पर अपने विचार रखे। उन्होंने डॉ. संजय गर्ग ने सम्मेलन के तकनीकी स आर्थिक स्थिति पर अपने विचार रखे। उद्घाटन) वित्तीय पंजी के शद्ध हस्तांतरण को प्राप्त नहीं साझा किया कि कोविड-19 जैसी संकट की की अध्यक्षता की।



सत्र के दौरान सभी अतिथियों एवं मंच द्वारा कर सकते हैं। सत्र की अध्यक्षता प्रो. मंज सिंह. कांफ्रेंस एब्स्टैक्ट बक (सार पस्तक ) का एमएनआईटी, जयपर और प्रो. अल्पना कटेजा, विमोचन भी किया गया। सम्मेलन के पहले राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपर ने की। दोनों दिन मुख्य वक्ता प्रो. मुकुल जी. अशर, नेशनल सत्र अत्यधिक संवादात्मक थे।

यनिवर्सिटी ऑफ सिंगापर, गजरात सरकार के दसरे दिन की शरुआत प्रो अमरेश सलाहकार, डबल्यु टी ओ, डबल्यु एच ओ , सामंतराय, पांडिचेरी विश्वविद्यालय के मख्य भाषण से हुई जिन्होंने भारत में सतत विकास राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कलपति प्रो अमतकाल के दौरान एक व्यापक-आधारित के साथ लचीलापन: बैंकिंग क्षेत्र की भर्मिका आनंद भालेराव, जिनके नेतत्व में यह सम्मेलन विकास उत्पन्न करने की रणनीति पर अपने का आकलन विषय पर अपनी बात कही । के कामकाज और शासन व्यवस्था, भारत हुआ, ने उल्लेख किया कि राजस्थान केंद्रीय) विचार रखे। उन्होंने उल्लेख किया कि व्यापक) उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकास विश्वविद्यालय को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की राष्ट्रीय शक्ति के बारे में एक तीव्र जागरूकता। सिद्धांत लंबे समय तक आधिक विकास को मेजबानी करने में खशी हई और मझे विश्वास को प्रौद्योगिकी के महत्व, घर में गहरी ताकत बनाए रखने में बचत की भमिका को रेखांकित मशीन लर्निंग दृष्टिकोण, लचीलापन, अ है कि यह सम्मेलन शोधकर्ताओं. नीति के निर्माण और वैश्विक पदचिढ़ के लिए तैयार करते हैं। बैंक बचत को जटाने और उसे निर्माताओं, व्यापार जगत के नेताओं और करने की आवश्यकता है। अमत काल के उत्पादक निवेश में परिवर्तित करने में महत्वपर्ण क्षमता आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा ह चिकित्सकों को अपने जान, विचारों और दौरान भारत के उदय में योगदान देने के लिए भमिका निभाते हैं। इसके पश्चात प्रो. तापस प्रो. रंजन अनेजा. हरियाणा केंद्र अनुभवों को साझा करने में मदद करेगा। शिक्षा जगत और अनुसंधान संस्थानों की एक साउथेम्प्टन बिजनेस स्कूल, युनाइटेड किंगडम विश्वविद्यालय, प्रो. अपराजिता बिस्वाल, र विकास, लचीलापन और एक अनिश्चित दनिया विशेष जिम्मेदारी है। प्रो. चार्लस यजी ने सामरिक खेल के माध्यम से पन- इमेजिंग में स्थिरता विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय होरीओका फेल्डस्टीन-होरीओका पहेली के स्थिरता हिस्सेदारी विषय पर अपना कीनोट समीराना पटनायक. डॉ. अलका चा सम्मेलन का राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अग्रणी हैं और उन्होंने क्या फेल्डस्टीन- अडेस दिया। दोनों सत्रों की अध्यक्षता क्रमश: अर्थशास्त्र विभाग व भारतीय सामाजिक विज्ञान होरिओका फाइंडिंग रियली ए पजल, प्रोफेसर उमा शंकर मिश्रा और प्रोफेसर जितेंद्र

स्थिति ने अर्थव्यवस्थाओं और समाजों डिजिटलीकरण में तेजी लाने में मदद की अ इस प्रकार व्यापार निरंतरता की अनुमति र प्रो. जगदीश उल्लास जाधव सम्मेलन अध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग की डॉ हेमलता मंगला-सम्मलेन संयोजक व डॉ सरेश पात्रा, आयोः सचिव ने बताया कि लगभग 150 प्रतिनिधि ने सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन के र तकनीकी सत्रों में 101 पेपर प्रस्तुत किए ग दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान, वित्त अ जोखिम क्षमता, आर्थिक विकास अ लचीलापन, जलवायु, भोजन और ऊर्जा, हॉ वित्त, स्वास्थ्य प्रणाली स्थिरता और लचीला महत्वपर्ण अवसंरचना, लोग, शिक्षा अ संगठनात्मक लचीलापन, कषि स्थिरता और चर्चा की गई। आर्थिक विकास, आर्थि लचीलेपन में व्यापार की भमिका: कषि स्थिग और आर्थिक विकास, प्रवासी, मंच कार्य अ लचीलापनः और पूर्व और पोस्ट ष्ट्रहङदुष्ट-महामारी में सामदायिक लचीलापन, संस्था लचीलापन और समावेशन में सधार के लि डिजिटल तकनीकों का उपयोग करना अ स्वास्थ्य सेवा कार्यबल, और वित्त और जोसि देवी महिला विश्वविद्यालय, ओडिशा डॉ. सं आईआईएम सिरमौर, डॉ, घनश्याम पां एसआरएम विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश,

स्वास्थ्य में सामाजिक कार्यकर्ता प्रो. एस.ए



अंतर्राष्टीय सम्मेलन विषय विशेषज्ञों ने रखे विचार

न्यूज समिस/नवज्योति, बदनमंत्र किंशनमंद

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग व भारतीय सामाजिफ विज्ञान अनसंश्वन परिषद के संगुक्त तत्वावधान में जिकास. लगोलपन और एक अनिशित दनिय में स्थिरता विषय पर दो दिवसीय ठालंग्रहीय ग्रम्मेलन का आयो जनवित्या गग। अतिथियों द्वरा कांक्रेंस एज्स्ट्रैक्ट चक का जिमोलन भी किया गया। वैभिगरमें देख-सिदेश के विमय विजेमजें ते विचार रखे।

अर्थव्यवस्था को नेपिवेट करने पर

यात की। राजस्थान के दीय

जिस्वविद्यालय के कलपति प्रो आनंद

भातेगव ने कहा कि विषयविद्यालय

सम्मेलन के पहले दिन महम यत्ता

को अंतर्राष्ट्रीय सम्पेलन को मेजचानी मजा बता बीआर अम्बेडकर करने में खशी जगाई। उद्घाटन मंत्र रकल और इकोनॉमिक्स बेंगतर और को सम्मानित अतिथि प्रोफेसर निकोल जी-टवन्टी टवन्टी टास्क फीसे के विरोसर, सदने च हैम्प्सापर चनिवसिंही अध्यद्य कलपति ग्री एनआर भारमार्त बएग्रए ने विकास, लचीलापन और ने कहा कि अन्य इन्यत अर्थणवस्थाओं स्थिरता के संदर्भ में भारत की वर्तमान के विषयीत मदासम्बेति की दिश्वति को आधिक विश्वति पर अपने विचार राये स्थिर कर स्वी है। भारतीय अर्थव्यवस्था चसली के एस्ते पर है। एफ चाई 24 ज्रे. मकल जी, आशर, नेशनत चनिजसिंदी तक, जोडीपी विकास दर 6,5% गढने ऑफ सिंगापुर, रुजरान सरकार के का अनुमान है। मुद्रास्फीति पूरे वर्ष सलाहकार, डवल्च ये ओ, डवल्यरचओ, के लिए 6% से नीचे रहने का अनमान आईएमएक ने एक अनिश्चिम दनिया में है। भारतको केंद्रत्य विकास-मदास्मीति अमलताल के दौरन एक जापक-संतलन और स्थिर जिलीय क्षेत्र के आधारिर विकास उपल काने की रामति याथ पोशान वैभिन्न अर्थजनस्त पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि में उज्ज्वल स्थान के रूप में प्रतिष्ठित व्यपक राष्ट्रीय शक्ति के बॉर में एक किया गया है। प्रो भातमार्ति ने अस्थिर ीय जागरकत को प्रैहोगिको के महत्व,

विधानगढ़ । लेपासीन अरिति व प्रेजेक्टर पर प्रदर्शनी देखते हुए तस अतिथि को सम्मामित करते कुलगति वैदिवक परिस्थितियों में जारतीय 'पर में नहरी ताफत के निर्माण और

पैश्चिक पर्यमाह के लिए तैयार करने

को आवश्वकता है। अमृत काल के

चौरान भारत के उदय में योगदान देने

के लिए सिक्स जगत और अनुसंधान

संभानें से एक विजेष जिम्मेदारी हैं

प्रोफेसर मुकान ने कहा कि भाने ही

वैश्विपक विसीम बाजार एक्डीकत प्रतीत

होते हैं, पचरा और निषेश के स्टर सभी

देशें के बीच सहसंबद्ध है ज्योंक जिलीग

याजरस्वयंथितीय पंजी केश्वद्व इस्तांतरण

को प्राप्त नहीं कर सकते हैं। सब को

अभ्यस्ता जे, मंज सिंह, एमएन आइदी,

जयपर और प्रे. जल्पन कटेजा,

राजस्थान विश्वविद्यालय जवपा ने की

येंगें सत्र अलोधक संवायत्मक थे

सम्मोलन के दरारे दिन की शरूआत प्रो

अमरेश सामनराय, पांडिचेरी

विश्वविद्यालय के माक भाषप से दर्द

सम्मेतराच ने किलास किंद्रांत लंबे सम्म

जन आणिन विनास को चनाए रखने

में जचत की भूमिका को रेखांकित किया ।

वैंक बंगत को जटाने और उसे उत्पादक निवेश में परिपतित करने में महत्वपूर्ण चुनिका निचारे हैं। इसके पंसाल प्रो. जपस सात्रमेण्टन विजनेस स्कूल मिक्ष और प्रोफेसर जिनेंद्र कमर. यनप्टटेड फिंगडर ने सामरिक खेल के - गामध्यन केन्द्रीय विद्यालय ने की।

(8/) 2

माध्यत्र सेएन इमेलिंगस्वित्ता जिस्सेदारी जिपच पर अपना शोध पहा । दोनों सजी को अध्यक्षत क्राउर : प्रेफेसर उमार्शकर अर्थव्यवस्थाओं और समाजे के

डिजिटलीकरण में तेजी लाने में मदद

की और इस प्रकार व्यापर सिरंतरत

फी अनुमति दी। इस देशन कार्यक्रम

अध्यक्ष प्रो. जगद्वेण राज्यास गांधव

कार्वक्रम संयोगक अर्थनारज विश्वर

की डा. हेमलता मंगलानी व आयोजन

रुचिव डा. सरेश पात्रा, ने चतामा कि

रामोलन में 150 प्रतिनिधियों ने भार

लिग (सीम् आर की पीआरओ अनुराध

मित्ताल ने बेताबा कि दो दिवसीय राष्ट्रीय

सम्मेलन के दस सकनीको सत्रें में

101 पंपर उस्तुत किए गए।

#### इन मुद्दों पर मंथन

दो दिवसीब सामोलन के दौरान, विरा और जोखिंग क्षमता, आविंक विकास और लग्गोलपन, जानवाय, भोजन और ऊर्ज, हरित बित, स्वास्थ्य प्रमाली स्विरता और लचीलापन महत्वपूर्ण अवसंरचन, लोग, शिक्षा और संगठनात्मक लचीलापन, कृषि स्थिरता और पर चर्चा को गई। आधिक विकास, आर्थिक लचीलेपन में लापार को भूमिका, कृति स्थिरता और अधिक जिलाम, प्रवासी, मंच कार्ग और लचीलापन, और पूर्व और पोस्ट उडलका 19 महामंदी में सामयविक लचीलापन, संस्थानों के कामकाज और शासन व्यवस्था, भारत में लचीलापन और समावेशन में संधार के लिए डिजिटल तकनीकों का उपयोग करना और मशीन लोगेंग हॉश्कोण, लचीलापन, और ख्यारम्य सेवा कार्यजन, और चित्त और जोख़िम क्षमता आदि विषयों पर किस्तार से चर्चा हई।

#### इन्होंने लिया भाग

सम्मेलन में प्रो. रंजन अनेज, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. अपग्रजिता विस्वाल, रमा देवी महिला विद्वचिद्यालय, ओडिया डॉ. संजा समीरामा पटनावक, डॉ. अलका चड्ड. आई आईप्रम सिरमीर, डॉ. पनण्याम पांडे. (स.जरएम चिथ्वविद्यालग, आंध्र प्रदेश, डॉ. स्वाति जधव, स्तंभकार, एवं मानसिक स्वास्थ्य में सामाजिक कार्यकर्ता प्रे. एस.एन. अम्बेडकर, डॉ. संपासिस भंड, डॉ. प्रमोद कांवले, डॉ. कमार संभव पार्राक, डॉ. एस कंदासामी राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालग के डॉ. मंजय गर्ग ने भाग लिगा। इससे पर्व अतिथियों का स्वागत अर्पण पहलाकन व स्मति चिह्न देकर किया गया।

# Media Coverage

यान

रिंडे

#### राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय बांदरसिंदरी में 'विकास, लचीलापन और एक अनिश्चित दुनिया में स्थिरता' विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

#### 📕 सता एक्सप्रेस

बांदरसिंदरी/ लक्ष्मण दीया। दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मख्य के रूप में सभा को संबोधित करते हुए भानमति, कलपति, बी.आर. स्कल ऑफ इहोनीमवस बंगलह और जी-20/री20 राम्क फोर्म के अध्यक्ष ने विपरीत, जो महास्फीति की स्थिति को स्थिर कर रही हैं, भारतीय अर्धव्यवस्था वसली के रास्ते पर है। FY24 तक, GDP विकास दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनमान है। मदास्फीति लेग 6 प्रतिष्ठात से नीचे रहने का स्थान' के रूप में प्रतिप्रित किया गया है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कलपति प्रो आनंद भालेराव, ने उद्येख किया कि राजस्थान विश्वास है कि यह सम्मेलन शोधकताओं, नीति



चिकित्सकों को अपने ज्ञान.

आयोजन किया गया।

(सार पस्तक ) का विमोचन भी किया गया। और सम्मेलन के पहले दिन मख्य वक्ता पो. मकल अनभवों को साम्रा करने में मटद करेग अशर, नेशनल यनिवसिटी ऑफ विकास, लचीलापन और एक अनिश्चित दनिया गंजरात सरकार के सलाइकार में स्थिरत विषय पर हो हिवसीय अंतर्राष्ट्रीय इबल्य टी ओ, इबल्य एच ओ , आई एम सम्मेलन का राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय एफ ने एक अनिश्चित दनिया में अमतकाल के के अर्चणास्व विभाग व भारतीय सामाजिक रौरान एक व्यापक-आधारित विज्ञान अनसंधान परिषद के संयक्त करने की रणनीति पर अपने विचार रखे। तलाकान में 11-12 अप्रेल 2023 को उन्होंने राहेख किया कि व्यापक राष्ट्रीय प्रक्ति उटारन मंत्र को के बारे में एक तीव जागरूकता को पौराणिक सम्मानित अतिथि प्रोफेसर निकोल बिसेसर के महत्व, घर में महते ! सदर्भ न्यु हेम्पशायर युनिवसिटी, युएसए वेधिक पटीबाइ के लिए तैयार करने विकास लचीलापन और स्थिरता के संदर्भ आवण्यकता है। अमन काल के दौरान भारत भारत की वर्तमान आर्थिक स्थिति पर अपने के तहय में योगदान देने के लिए शिक्षा जगत विचार रखे। उद्घाटन संत्र के दौरान सभी और अनसंधान संस्थानों को एक विशेष अतिथियों एवं मंच द्वारा कांफ्रेंस एक्स्टेक्ट बक

बैंकिंग क्षेत्र को भूमिका का आकलन विषय पर अपनी बात कही । उनरोंने इस बात पर जोर दिया कि विकास सिद्धत लंबे समय तक आधिक विकास को बनाए रखने में बचत की भगिका को रेखांकित करते हैं। मैंक बचत को जराने और उसे उत्पादक निवेश में परिवर्तित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके पक्षात प्रो. तापस साउधेम्प्टन बिजनेस स्कल यनाइटेड किंगडम ने सामरिक धोल के माध्यम से पनः इमेजिंग स्थिरता हिस्सेदारी विषय पर अपन कोनोट अडेस दिया। दोनों सत्रों की अध्यक्षता क्रमशः प्रोफेसर उमा शंकर मित्रा और प्रोफेसर जितेंद्र कमार, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने की। समापन सत्र की अध्यक्षता प्रो. धर्मेंद्र सिंह, मॉहर्ग कॉलेज ऑफ बिजनेस एंड साइंस, मस्कट, ओमान ने मुख्य अतिथि के रूप में की। पो धर्मेंद्र सिंह ने सतत वित और इसके रुझान और प्रगति पर अपने विचार रखे। उन्होंने साझ किया कि कोविड-19 जैसी संकट को स्थिति ने अर्थव्यवस्थाओं और समाजों के दिनिटलीकरण में तेजी लाने में मटद की और इस प्रकार व्यापार निरंतरता को अनमति दी।

मग 1100 भियान में माजसेथी रिषद को परिषद ায় কাৰ ना पानी मिलल व, श्रांता स्वतिता र प्रभारी ন জীন ला गर्ग प्रकाश नीवाला पसाद राजेश आदि योगेश परिषद मनका नाकर सभापति ने किया निर्माण कार्यों का उद्घाटन

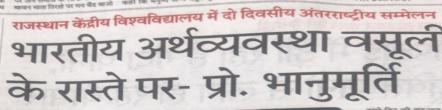
रर करते हुए आधार्य विवेक सागर बिहाडा से विहार कर सुबह सावर

की सीमा में मंगल प्रवेश किया। आचार्य के ससंघ मंगल प्रवेश होने पर जैन समाज के लोगों ने करबे के ने बताया कि व्यायन माता तिराहे पर मध बेंड वाजो गर ने ससंघ

मन्त झाला में पहुंचे वहां पर समाज के लोग दश व आर्शीबाद के लिये उमड पड़े। अद्यालुओं ने आचार्य क्रिकेक सागर भेट कर affracted पादप्रसालन कर उनका आशीवाद जैन सन्त शाला आयोजित धर्मसमा में आचार्य ने कहा कि मनुष्य जन्म बहुत दुर्लभ

हरकर स्थाप्र्याय करने से अज्ञान का नाश य जान की वृद्धि होती ह का जात का मार्ग प्रशस्त का त है। और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन पुण्य कर्म करने से मिलता है। डसलिये 221-222 जीवन का दरूपयोग नहीं कर मानव कल्पाण व अल्कर्म में करना चाहिए। इससे इच्छित फल स्वतः ही प्राप्त होता है।

का को प्रापित होली है। उन्होंने कहा अहिसा परमो धर्म के साथ शांदि का मल मंत्र है। जैन गपुरुषों ने आहित्या स्टला स्ताध्यन्ता नमानम को संस्कारित किया है धर्मसभा में ब्रह्मलु उमद्रे रहे। आचार्य विवेक सागर ने ससंघ शाम को,सावर से विहार कर गुरु मंगाल पालेज किंग्या।



पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.co

मदनगंज-किशनगढ बी.आर. अम्बेडकर ऑफ स्कूल अम्बङकर स्कूल इकोनॉमिक्स, बेंगलुरु के कुलपति एवं जी-20/टी20 टास्क फोर्स के अध्यक्ष ग्रोफेसंर एन.आर. भानुमूर्ति ने कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था वसूली के रास्ते पर है। एफवाई 24 तक, जीडीपी विकास दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मुद्रास्फीति पूरे वर्ष के लिए 6 प्रतिशत से नीचे रहने का अनुमान है।

प्रोफेसर मानुमूर्ति दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उदघाटन सत्र में राजस्थान केंद्रीय विवि, में मुख्य अतिथि के रूप में सभा को संबोधित कर रहे थे। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आनंद भालेराव के नैतृत्व में यह सम्मेलन हुआ। उन्होंने कहा कि राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय को अंतरराष्टीय सम्मेलन की मेजवानी करने में खुशी हुई और विश्वास ह कि यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, नीति निमतिाओं, व्यापार जगत के नेताओं और चिकित्सकों को अपने जान विचारों और अनुभवों को साझा अपने विचार रखे। करने में मदद करेगा।

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का राजस्थान केंदीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग व भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 11 एवं 12 अप्रेल को संपन्न हुआ। उद्घाटन सत्र की सम्मानित अतिथि प्रोफेसर निकोल बिसेसर सदर्न न्यू हैम्पशायर यूनिवर्सिटी यूएसए ने विकास, लचीलापन और स्थिरता के संदर्भ में

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com



अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को सम्बोधित करती वक्ता एवं मंचासीन अतिथि।

अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर करते कलपति प्रोफेसर आनंद भालेराव

भारत की वर्तमान आर्थिक स्थिति पर करने की रणनीति पर अपने विचार रखे। प्रोफेसर चार्ल्स युजी उद्घाटन सत्र के दौरान सभी होरीओका फेल्डस्टीन होरीओ का अतिथियों एवं मंच की ओर से पहेली के अग्रणी हैं और उन्होंने कांफ्रेंस एब्स्ट्रैक्ट बुक (सार फेल्डस्टीन होरिओका फाइंडिंग पुस्तक) का विमोचन भी किया रियली पजल फेल्डस्टीन गया। सम्मेलन के पहले दिन मुख्य होरिओका पहेली 43 साल बाद पर वक्ता प्रोफेसर मुकुल जी. अशर नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर

मुख्य वक्ता के रूप में अपना व्याख्यान दिया। सत्र की अध्यक्षता गुजरात सरकार के सलाहकार, प्रोफेसर मंजू सिंह एमएनआईटी डबल्यू टी ओ, डबल्यू एच ओ, आई जयपुर और प्रोफेसर अल्पना एम, एफ ने एक अनिश्चित दुनिया कटेजा, राजस्थान विश्वविद्यालय, में अमृतकाल के दौरान एक जयपुर ने की। दोनों सत्र अत्यधिक व्यापक आधारित विकास उत्पन्न संवादात्मक थे।

दूसरे दिन की शुरुआत प्रोफेस अमरेश सामंतराय पांडिचे विश्वविद्यालय के मुख्य भाषण हुई। इसके बाद प्रोफेसर ताप . साउथेम्प्टन बिजनेस स्कूल यूनाइटे किंगडम ने सामरिक खेल के माध्य से पुनः इमेजिंग स्थिरता हिस्सेवा विषय पर अपना कीनोट अडे दिया। दोनों सत्रों की अध्यक्ष क्रमशः प्रोफेसर उमाशंकर मिश और प्रोफेसर जितेंद्र कुमार ने की। समापन सत्र की 34521847

प्रोफेसर धर्मेंद्र सिंह मॉडर्न कॉले ऑफ बिजनेस एंड साइंस, मस्क ओमान ने मुख्य अतिथि के रूप की। प्रोफेसर धर्मेंद्र सिंह ने सततवि और इसके रुझान और प्रगति प अपने विचार रखे। प्रोफेसर जगदी उल्लास जाधव सम्मेलन अध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग की हेमला मंगलानी, सम्मलेन संयोजक व ड सरेश पात्रा आयोजन सचिव बताया कि लगभग 150 प्रतिनिधियं ने सम्मेलन में भाग लिया।

पोफेसर रंजन अनेजा बरिया केंद्रीय विश्वविद्यालय. पोफेस अपराजिता विस्वाल रमादेत महिला विश्वविद्यालय ओदिश संजा समीराना पटनायक, अल्ब चढडा आईआईएम सिरमी घनश्याम पांडे एसआरप विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश, स्वा जाधव स्तंभकार एवं मानसि स्वास्थ्य में सामाजिक कार्यक पोफेसर एस.एन अम्बेडक सभासिस भद्र, प्रमोद कांबले, कुम संभव पारीक, एस कंदासाम राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय व संजय गर्ग ने सम्मेलन के तकनीव सत्रों की अध्यक्षता की।

#### निःशुल्क नेत्र चिकित्सा **शिविर 24 को**

केकडी @ पत्रिका. लायंस क्लब पत्वं हीही नेत्र फाउंडेशन कोटा के संयक्त तत्वाधान में 23 अप्रेल को निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर यहां जयपर रोड स्थित लायंस भवन में आयोजित किया जाएगा। प्रोजेक्ट चेयरमैन एस.एन. न्याती ने बताया

मदनगंज-किशनगढ्, नगर परिषद के वार्ड संख्या-43 और वार्ड संख्या-5 में बुधवार को विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया। सभापति दिनेश सिंह राठौड़ ने वार्ड

## **Thank You**

## With Warm Regards

# Dr. Hemlata Manglani Convener ICECO\_GRS'23

Dr. Suresh Kumar Patra Organizing Secretary ICECO\_GRS'23